सामाजिक विज्ञान

कक्षा 8

(राजनीतिक विज्ञान)

अध्याय 8: कानून और सामाजिक न्याय

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

प्रश्न 1. दो मजदूरों से बात करके पता लगाएँ कि उन्हें कानून द्वारा तय किया गया न्यूनतम वेतन मिल रहा है या नहीं। इसके लिए आप निर्माण मजदूरों, खेत मजदूरों, फिक्ट्री मजदूरों या किसी दुकान पर काम करने वाले मजदूरों से बात कर सकते हैं।

उत्तर: मैंने दो मजदूरों से बात की। एक को तय न्यूनतम वेतन मिल रहा था, लेकिन दूसरा मजदूर ठेके पर था और उसे तय वेतन से कम भुगतान हो रहा था। इससे पता चलता है कि हर जगह कानून का सही पालन नहीं हो रहा।

प्रश्न 2. विदेशी कंपनियों को भारत में अपने कारखाने खोलने से क्या फायदा है?

उत्तर: विदेशी कंपनियों को भारत में सस्ता श्रम, बड़ा बाजार और आसान संसाधन मिलते हैं। इससे उन्हें उत्पादन लागत कम करने और मुनाफा बढ़ाने का लाभ होता है।

प्रश्न 3. क्या आपको लगता है कि भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों को सामाजिक न्याय मिला है? चर्चा करें।

उत्तर: भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों को पूर्ण सामाजिक न्याय नहीं मिला। उन्हें मुआवज़ा देर से और कम मिला, और जिम्मेदार कंपनी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं हुई। यह न्याय प्रणाली की कमजोरी दर्शाता है।

प्रश्न 4. जब हम कानूनों को लागू करने की बात करते हैं तो इसका क्या मतलब होता है? कानूनों को लागू करने की जिम्मेदारी किसकी है? कानूनों को लागू करना इतना महत्त्वपूर्ण क्यों है?

उत्तर: कानून लागू करने का मतलब है कि सभी लोग उसका पालन करें। यह जिम्मेदारी सरकार, खासकर पुलिस और प्रशासन की होती है। कानून लागू न होने पर अन्याय और अराजकता फैल सकती है।

प्रश्न 5. कानून के जरिए बाजारों को सही ढंग से काम करने के लिए किस तरह प्रेरित किया जा सकता है? अपने जवाब के साथ दो उदाहरण दें।

MUKUTclasses

उत्तर: कानूनों के जरिए बाजार को नियंत्रित किया जा सकता है, ताकि उपभोक्ताओं का शोषण न हो।

उदाहरण:

- मिलावटी खाद्य पदार्थों पर रोक।
- न्यूनतम मजदूरी कानून से श्रमिकों का अधिकार सुरक्षित करना।

प्रश्न 6. मान लीजिए कि आप एक रासायनिक फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर हैं। सरकार ने कंपनी को आदेश दिया है कि वह वर्तमान जगह से 100 किलोमीटर दूर किसी दूसरे स्थान पर अपना कारखाना चलाए। इससे आपकी जिंदगी पर क्या असर पड़ेगा? अपनी राय पूरी कक्षा के सामने पढ़कर सुनाएँ।

उत्तर: अगर फैक्ट्री 100 किमी दूर चली जाएगी, तो मेरी नौकरी पर असर पड़ेगा। रोज़ आना-जाना मुश्किल होगा, परिवार से दूर रहना पड़ सकता है और जीवन यापन कठिन हो जाएगा।

प्रश्न 7. इस इकाई में आपने सरकार की विभिन्न भूमिकाओं के बारे में पढ़ा है। इनके बारे में एक अनुच्छेद लिखें।

उत्तर: सरकार की भूमिका कानून बनाना, उसे लागू करना, लोगों की भलाई के लिए काम करना और बाज़ार को नियंत्रित करना है। वह सामाजिक न्याय, पर्यावरण सुरक्षा और गरीबों के हितों की रक्षा भी करती है।

प्रश्न 8. आपके इलाके में पर्यावरण को दूषित करने वाले स्रोत कौन से हैं? (क) हवा (ख) पानी और (ग) मिट्टी में प्रदूषण के संबंध में चर्चा करें। प्रदूषण को रोकने के लिए किस तरह के कदम उठाए जा रहे हैं? क्या आप कोई और उपाय सुझा सकते हैं?

उत्तर: मेरे इलाके में पर्यावरण को दूषित करने वाले स्रोत हैं:
(क) हवा – वाहनों का धुआं, फैक्ट्रियों की चिमनियाँ।
(ख) पानी – नालियों का गंदा पानी और रासायनिक कचरा।
(ग) मिट्टी – प्लास्टिक और रसायनों का उपयोग।
उठाए गए कदम: पौधारोपण, सफाई अभियान, प्लास्टिक पर रोक।
सुझाव: कचरा प्रबंधन को सख्ती से लागू करना और जनजागरूकता बढ़ाना

प्रश्न 9. पहले पर्यावरण को किस तरह देखा जाता था? क्या सोच में कोई बदलाव आया है? चर्चा करें।

उत्तर: पहले पर्यावरण को अनंत संसाधन समझा जाता था और उसका अंधाधुंध दोहन किया जाता था। लेकिन अब सोच में बदलाव आया है। लोग समझने लगे हैं कि पर्यावरण सीमित है और इसका संतुलन बनाए रखना ज़रूरी है। इसलिए अब संरक्षण और सतत विकास पर ज़ोर दिया जा रहा है।

प्रश्न 10 प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट आर. के. लक्ष्मण इस कार्टून के जरिए क्या कहना चाह रहे हैं? इसका 2016 में बनाए गए उस कानून से क्या संबंध है जिसको पृष्ठ 105 पर आपने पढ़ा था।

उत्तर: आर. के. लक्ष्मण के कार्टून में दिखाया गया है कि आम आदमी अक्सर प्रदूषण जैसी समस्याओं से परेशान होता है, लेकिन उसका समाधान नहीं होता। यह कार्टून 2016 के उस कानून से जुड़ा है जिसमें पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करने वालों को दंड देने का प्रावधान है। कार्टून यह संकेत देता है कि कानून बनने के बाद भी लागू करना ज़रूरी है।

प्रश्न 11. आपने भोपाल गैस त्रासदी और उसके बारे में चल रहे संघर्ष के बारे में पढ़ा है। दुनिया भर के विद्यार्थी न्याय के इस संघर्ष में अपना योगदान दे रहे हैं। वे जुलूस प्रदर्शनों से लेकर जागरूकता अभियान तक चला रहे हैं। उनकी गतिविधियों के बारे में आप www.studentsforbhopal.com पर पढ़ सकते हैं। इस वेबसाइट पर बहुत सारे चित्र, पोस्टर, वृतचित्र और पीड़ितों के बयान आदि उपलब्ध हैं।

इस वेबसाइट तथा अन्य संसाधनों का इस्तेमाल करते हुए अपनी कक्षा में दिखाने के लिए भोपाल गैस त्रासदी पर एक दीवार पत्रिका (वॉल पेपर) प्रदर्शनी तैयार करें। पूरे स्कूल को अपनी रचनाएँ देखने और उन पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित करें।

उत्तर: भोपाल गैस त्रासदी पर दुनिया भर के छात्र सोशल मीडिया, जुलूस, पोस्टर, और जागरूकता अभियानों के ज़रिए न्याय की माँग कर रहे हैं। वेबसाइट *www.studentsforbhopal.com* पर उनके प्रयास देखे जा सकते हैं। हम इस जानकारी का उपयोग करके कक्षा में एक दीवार पत्रिका बना सकते हैं, जिसमें चित्र, तथ्य, पीड़ितों के अनुभव और पोस्टर शामिल हों। इससे पूरे स्कूल में जागरूकता फैलेगी।

MUKUTclasses